Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

कला में स्नातक (बीए- 12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत दिशा निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. अधोलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) शुश्रूषस्व गुरुन्कुरु प्रिय सखीवृत्तिं सपत्नीजने
भतुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीयं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः।।

(ख) कुतो धर्म क्रियाविध्नः सतां रक्षितरि त्वयि।

तमस्तपति धर्मांशौ, कथमाविर्भ विष्यति।।

2. स्रग्धरा, शर्दूलविक्रीडितम्, मलिनीति (त्रयाणामपि छन्दसां) तीनों छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

3. श्लेष, रूपक एवम् उपमा अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

4. नाट्य साहित्य के उद्भव तथा विकास पर प्रकाश डालते हुए 'काव्येषु नाटकं रम्यं' की व्याख्या कीजिए।

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की कथावस्तु लिखकर दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. "अर्थो हि कन्या परकीय एव" की व्याख्या कीजिए।

2. "तभजा जगौ गः" किस छन्द का लक्षण है? छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

3. तुल्ययोगिता अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

4. टिप्पणी लिखिए:
"तत्र श्लोक चतुष्टयम्"

5. "भगवति वसुधे देहि मे विवरम्" यह उक्ति किसकी है? तथा उपर्युक्त कथन का क्या आशय है स्पष्ट करें।

6. प्रियम्बदा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. चतुर्थ अंक की कथावस्तु लिखिए।

8. अनुप्रास अलंकार को सोदाहरण लिखिए।